SALMAN KHURSHID): (a) The Government has not come across any report in "The Hindu" of 4th July, 1995, regarding boats of Indian fishermen being sunk by the Sri Lankan Navy in high seas on Rameshwaram coast. The Government is, however, aware that 5 Indian fishing boats were allegedly attacked and sunk by the Sri Lankan Navy on 8.7.95.

(b) In separate incidents, Indian fishing boats RMS-982 with 5 crew members, RMS-635 with 4 crew, RMS758 with 5 crew, RMS-1966 with 4 crew and MDM-393 with 4 crew members were reportedly attacked by the Sri Lankan Navy on 8.7.95 resulting in the sinking of all 5 boats. All the crew members were rescued by other Indian boats passing by. It is alleged that the first boat was attacked around Dhanushkodi, while the other four were attacked around Kachchativu area..

(c) The matter was strongly taken up with the Sri Lankan authorities through diplomatic channels. The Coast Guard regularly patrol the Indian side of the International Boundary Line in the waters between India and Sri Lanka; they maintain a continuous surveillance and caution the Indian fishermen against straying into Sri Lankan waters.

Consumer Grievance Redressal Machinery of MTNL

1663. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem captioned "for whom the inflared Bills Toll" which appeared in the Hindustan Times, dated the 24th July 1995;

(b) whether the existing procedure for investigation of complaints is time consuming and causing inconvenience to the subscribers;

(c) whether there is no effective grievance redressal machinery within the MTNL to benefit the subscribers and their inflated bills are invariably turned down in a stereotyped manner, compelling them to go to Courts/ Consumer Fora; and

(d) whether Government are contemplating any simplified and time bound procedure in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The information has been called for and will be laid on the Table of the House.

फरुखाबाद को रेल लाइनों द्वारा इटावा से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण

1664. प्रो. [illegible]म बख्श सिंह वर्मा: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने उत्तर प्रदेश में फरुखाबाद को इटावा से जोड़ने के लिए कुछ समय पूर्व रेल लाइन बिछाने के लिए एक सर्वेक्षण किया था;

(ख) यदि हां, तो उस सर्वेक्षण के प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार उस प्रतिवेदन के आधार पर नई रेल लाइन का निर्माण करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री सी. के. जाफ़र शरीफ़): (क) जी नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

रसोई गैस की आपूर्ति के लिए तेल कम्पनियों को निर्देश

1665. श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी: क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस के वितरण के लिए अधिक कारगर प्रणाली तैयार करने और उसे लागू करने के लिए तेल कम्पनियों को निर्देश जारी किए हैं,

(ख) यदि हां, तो अब तक इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं,

(ग) क्या सरकार ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को राजकोट और जामनगर में रसोई गैस की आपूर्ति पाइप लाइन के माध्यम से करने का निर्देश दिया है,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) जी, हां।

(ख) सरकार ने बहुमंजिली इमारतों में घरेलू उपभोक्ताओं को पाइपलाइन के माध्यम से एल पी जी की